राजभाषा जागरूकता कार्यक्रम

टीएचडीसी हाईस्कूल, प्रगतिपुरम, ऋषिकेश के प्रांगण में दिनांक 22 जुलाई, 2026 को 'राजभाषा जागरूकता कार्यक्रम' का अत्यंत भव्य और गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों और युवा पीढ़ी में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उसके व्यावहारिक प्रयोग को बढ़ावा देना तथा इसके ऐतिहासिक व संवैधानिक महत्व से अवगत कराना था। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक गण, कर्मचारी एवं भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ अतिथियों के स्वागत सत्कार के साथ हुआ। पर्यावरण संरक्षण और हरित परंपरा को बढ़ावा देते हुए अतिथियों का स्वागत पौधों (प्लांट्स) के माध्यम से किया गया। प्रधानाचार्या श्रीमती गीता कोटियाल जी ने मुख्य अतिथि एवं राजभाषा हिंदी के विशेषज्ञ श्री पंकज कुमार शर्मा जी को पौधा (प्लांट) भेंट कर उनका स्वागत और अभिनंदन किया। इसके पश्चात, श्री नरेश सिंह जी ने कार्यक्रम की अध्यक्षा व प्रधानाचार्या श्रीमती गीता कोटियाल जी को पौधा (प्लांट) प्रदान कर मंच पर उनका स्वागत और सम्मान किया।

इसके उपरांत टीएचडीसी ऋषिकेश के हिंदी अनुभाग प्रमुख और मुख्य वक्ता श्री पंकज कुमार शर्मा जी ने अपने व्याख्यान में राजभाषा हिंदी की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अत्यंत सरल और रोचक ढंग से बच्चों को समझाया कि कैसे हिंदी न केवल संवाद का माध्यम

है, बल्कि यह हमारे देश की संस्कृति और अस्मिता की संवाहक भी है। उन्होंने दैनिक जीवन और सरकारी कार्यों में हिंदी के सहज उपयोग पर बल दिया और बच्चों को भविष्य में हिंदी भाषा के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों के बारे में भी जागरूक किया।

कार्यक्रम का संचालन श्री संतोष टेलकीकर द्वारा किया गया। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज इस जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से हम सभी को बहुत कुछ सीखने को मिलेगा, जो विद्यार्थियों को उनके भविष्य में एक नई और उज्ज्वल राह दिखाएगा।

कार्यक्रम के समापन सत्र में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती गीता कोटियाल जी द्वारा आधिकारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने मुख्य अतिथि श्री पंकज कुमार शर्मा जी के बहुमूल्य मार्गदर्शन के लिए उनका विशेष आभार व्यक्त किया। सभी प्यारे बच्चों की अनुशासित भागीदारी की सराहना की। उन्होंने बच्चों से आह्वान किया कि वे इस कार्यक्रम से सीखी गई बातों को अपने जीवन में अवश्य उतारें।

यह राजभाषा जागरूकता कार्यक्रम अत्यंत सफल और ज्ञानवर्धक रहा। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों के भीतर अपनी मातृभाषा और राजभाषा हिंदी के प्रति गौरव की भावना जागृत हुई।

****